'एक विज्ञान भी माना जाता है और एक कला भी'। कला के रूप में यह अवधारणा प्रस्तुत की जाती है कि शिक्षक जन्मजात होते हैं तथा उनमें विशिष्ट शिक्षण गुण उपस्थित रहते हैं। वैसे भी एक प्रभावशाली शिक्षक वह माना जाता है जिसमें विशिष्ट कौशल पर्याप्त मात्रा में उपस्थित रहते हैं।

गेज (Gage) ने कहा है कि, "शिक्षण कौशल एक विशेष अनुदेशन प्रक्रिया है जिसे शिक्षक अपनी कक्षा-शिक्षण में प्रयोग करते हैं।"

शिक्षण कौशल में निहित प्रमुख कौशल

Scanned with CamScanner

प्रकृति पर आधारित होता है और वह छात्रों को अपनी ओर आकर्षित कर लेता है।

3. समीपता (closure) – इस कौशल का सम्बन्ध – उन क्रियाओं से है जिनसे शिक्षक पाठ्यवस्तु का संक्षेपीकरण करके नवीन पाठ्यवस्तु से सम्बन्ध स्थापित करता है। यह विन्यास प्रेरणा को पूरक कौशल माना जाता है।

4. मौन एवं अशाब्दिक अन्तःप्रक्रिया (Silence and Nonverbal Cues) कक्षा में शिक्षक शाब्दिक अन्तःक्रिया के साथ अशाब्दिक अन्तःप्रक्रिया के लिए संकेत तथा हाव-भाव का प्रयोग करता है जो छात्रों को शिक्षण में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं तथा अवांछनीय व्यवहारों को हटाते हैं। यह कौशल कक्षा में अन्तःप्रक्रिया को अधिक उपयोगी एवं प्रभावी बनाता है।

5. पुनर्बलन कौशल (Skill of Reinforcement) – छात्रों के व्यवहारों की प्रशंसा करना तथा उनकी अनुक्रियाओं को स्वीकार करना, मानना देना आदि से छात्रों को शिक्षण क्रियाओं में सहभागिता करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इसे प्रचलित रूप में 'पुनर्बलन कौशल' कहते हैं।

Scanned with CamScanner

मिलता है। यही प्रश्न प्रवाहशीलता सम्बन्धी कौशल कहा जाता है।

7. खोजपूर्ण प्रश्न (Probing Questions) — कक्षा शिक्षण के समय जब शिक्षण के समय जब शिक्षक ऐसे प्रश्न पूछता है और छात्र प्रश्न का उत्तर देने में सफल नहीं होते हैं उस समय शिक्षक ऐसे प्रश्न पूछने का प्रयास करता है जिनसे उक्त प्रश्नों के हल ढूंढने में सहायता प्राप्त होती है। ऐसे प्रश्नों के आधार पर पूर्व प्रश्नों के उत्तरों को छात्र खोजने का प्रयास करते हैं। इन्हें खोजपूर्ण प्रश्न कौशल कहते हैं।

8. छात्र-व्यवहार का अभिज्ञान (Recognizing and Attending Students Behaviour) — एक प्रभावी शिक्षक प्रायः अधिक संवेदनशील माना जाता है उसे छात्रों के लिए रुचिकर एवं अरुचिकर शिक्षण प्रक्रियाओं का यथेष्ट ज्ञान होता है। वह रुचिकर प्रक्रियाओं की पहचान छात्रों के व्यवहार के प्रेक्षण के द्वारा कर लेता है और उनका उपयोग करता है।

दृष्टान्त देना तथा उदाहरणों का प्रयोग (Illustrating and Use of Examples) — पाठ्यवस्तु को स्पष्ट करने के लिए शिक्षक को

Scanned with CamScanner

दृष्टान्तो एवं उदाहरणों का सहारा लेना पड़ता है और छात्रो के अधिगम को सुगम्य एवं प्रभावी बनाता है।

10 व्याख्या सम्बन्धी कौशल (Skill of Explaining) — शिक्षक जब ऐसे कथनो का प्रयोग करता है जिससे तथ्य अथवा प्रत्यय की बोधगम्यता की वृद्धि होती है, तो ये कथन आंतरिक रूप मे किसी न किसी प्रत्यय से सम्बन्ध रखते है। इसे ही व्याख्या सम्बन्धी कौशल कहा जाता है।

11. छात्रों की सहभागिता मे वृद्धि (Increasing pupil's participation) प्राय: शिक्षाविदो ने इस कौशल के चार मौलिक तत्व बताये है:—

i) प्रश्न पूछना।

ii) प्रोत्साहित करना।

iii) छात्रो के व्यवहार को स्वीकारना

iv) शिक्षण के दौरान कुछ रिक्त स्थानों की उपस्थिति जिन्हें छात्रों द्वारा पूर्ण किया जाना हो।

ये सभी क्रियाएँ की सहभागिता मे निरन्तर वृद्धि करती है।

12. अनुदेशन उद्देश्यो को व्यावहारिक रूप मे लिखना (Writing Instructional objective in Behavioural Terms) —

इस कौशल मे समाहित की जाने वाली क्रियाये निम्नलिखित है:—

i) उद्देश्यो ...

ii) पाठ्यवस्तु का विश्लेषण करना
iii) समुचित क्रियाओं का चयन करना
iv) उद्देश्यों को व्यवहारिक रूप में लिखना

(11)

13.2 श्यामपट्ट का उपयोग (Use of Black Board) – इस कौशल में दक्ष होने के लिए निम्नलिखित सम्भावनाओं की पूर्ति आवश्यक है –
i) सुलेख / सुडौल / सुन्दर लिखना
ii) सुन्दर आरेख / चित्र / ग्राफ / आकृतियाँ बनाना
iii) प्रभावी प्रस्तुतीकरण
iv) श्यामपट्ट का समुचित उपयोग।

उपर्युक्त शिक्षण कौशलों के अतिरिक्त अन्य अनेक कौशल हैं जो प्रभावी शिक्षण में अपना योगदान देते हैं, ये शिक्षण कौशल हैं –
i) कक्षा व्यवस्था कौशल (Skill for class Management)
ii) दृश्य - श्रव्य सहायक सामग्री का उपयोग
iii) गृहकार्य सम्बन्धी कौशल
iv) छात्रों के साथ - साथ शिक्षण गति का कौशल
v) उच्चस्तरीय प्रश्न पूछने का कौशल
vi) व्याख्यान कौशल
vii) सम्प्रेषण पूर्णता कौशल
viii) निर्मोचित पुनरावृत्ति सम्बन्धी कौशल

Scanned with CamScanner